

Inventory Control



Objectives :

- The prime objective of Inventory control is to keep down the investment on the inventory and to maintain the stock at optimum level to ensure that the stocks are made available to the consumer with least interruptions. इन्वेंटरी नियंत्रण का मुख्य उद्देश्य इन्वेंट्री पर निवेश को कम रखना और स्टॉक को इष्टतम स्तर पर बनाए रखना है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि उपभोक्ता को कम से कम रुकावट के साथ स्टॉक उपलब्ध कराया जा सके।



- It is a value of all types of stores which are kept in stock or in transit for which the payments have been made. यह उन सभी प्रकार की मद्रों का मूल्य है जो स्टॉक में या पारगमन में रखी गई हैं जिनके लिए भुगतान किया गया है।

Inventory Control



Source: Freepik

- It is the process of maintaining stock at optimum level to meet consumer demands with minimum Inventory Costs. यह न्यूनतम इन्वेंटरी लागत के साथ उपभोक्ता की मांगों को पूरा करने के लिए स्टॉक को इष्टतम स्तर पर बनाए रखने की प्रक्रिया है।

Related Terms :

- **Stock Items:** The Items which are regularly required by different consignee of Indian railways. वे वस्तुएँ जिनकी भारतीय रेलवे के विभिन्न कंसाइनरों को नियमित रूप से आवश्यकता होती है।
- **Non stock Items:** The items which are having no regular consumption pattern and they are not stocked in the stocking depots. वे वस्तुएँ जिनका कोई नियमित उपभोग पैटर्न उपलब्ध नहीं है और जिन्हें स्टॉकिंग डिपो में स्टॉक नहीं किया जाता है।
- **Inactive Items:** Items which have not been consumed for the last 12 months or more. ऐसी वस्तुएँ जिनका पिछले 12 महीने या उससे अधिक समय से उपभोग नहीं किया गया हो।
- **Surplus Items:** The items which have not been consumed for the last 24 months or more. वे वस्तुएँ जिनका पिछले 24 माह या उससे अधिक समय से उपभोग नहीं किया गया हो।

Related Terms :

- **Over Stocks:** For "A" Category items if the value of stocks is beyond 06 months consumptions. For "B" Category items if the value of stocks is beyond 12 months consumptions and for "C" category items if the value of stocks is beyond 24 months consumptions. "ए" श्रेणी की वस्तुओं के लिए यदि स्टॉक का मूल्य 06 महीने की खपत से अधिक है। "बी" श्रेणी की वस्तुओं के लिए यदि स्टॉक का मूल्य 12 महीने की खपत से अधिक है और "सी" श्रेणी की वस्तुओं के लिए यदि स्टॉक का मूल्य 24 महीने की खपत से अधिक है।
- **Service levels:** The numbers of demands compiled with divided by total numbers of demand received. It is a efficiency indicator. संकलित मांगों की संख्या को प्राप्त मांग की कुल संख्या से विभाजित किया जाता है। यह एक दक्षता सूचक है।

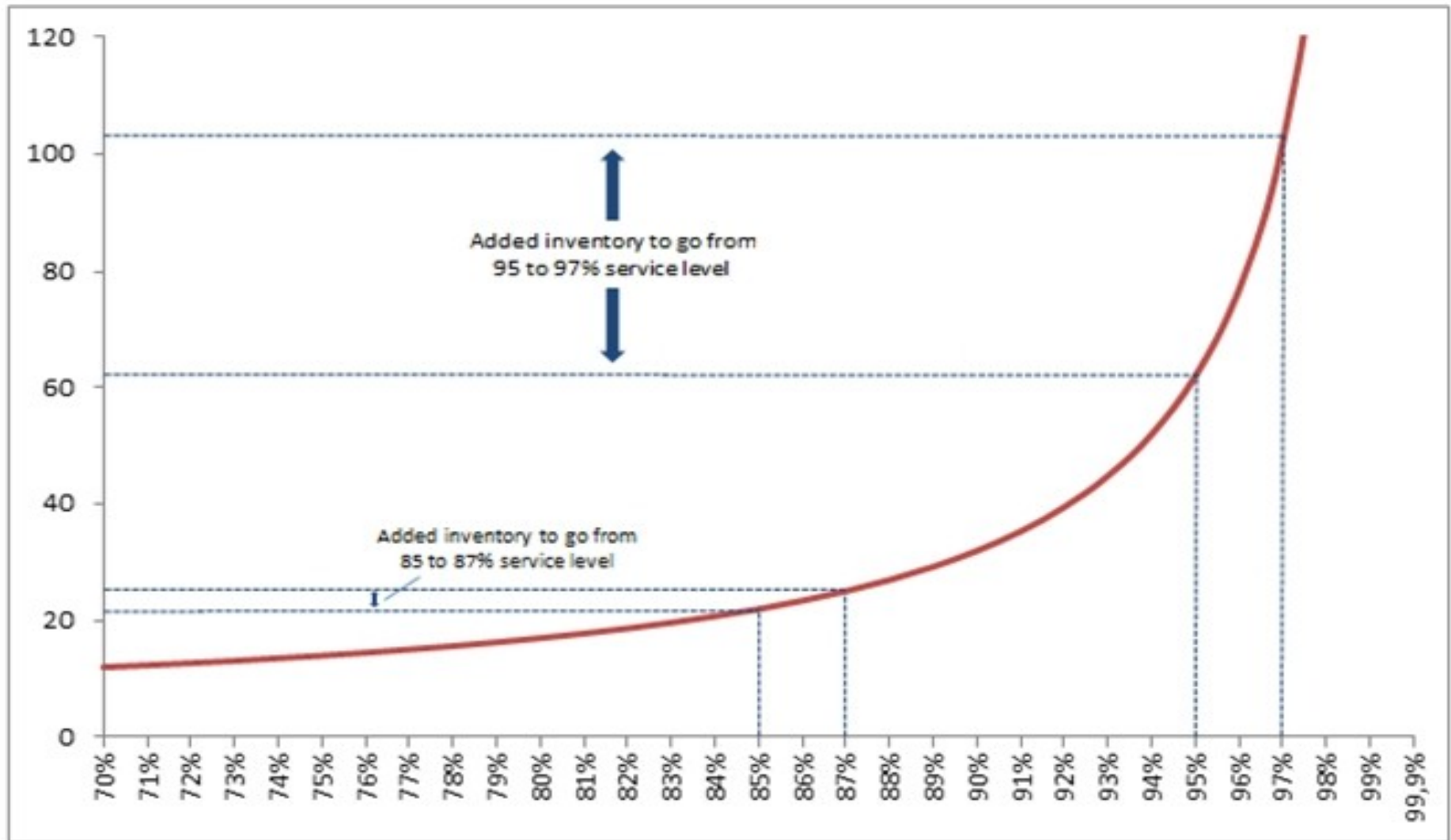
Related Terms :

- **Turn Over ratio:** Total available inventory at the end of financial year divided by total issues made during that financial year. It is also a efficiency indicator. वित्तीय वर्ष के अंत में कुल उपलब्ध इन्वेंट्री को उस वित्तीय वर्ष के दौरान जारी किए गए कुल मूल्यों से विभाजित किया जाता है। यह एक दक्षता सूचक भी है.
- **Lead time:** This is the time required from the date of need of an item is felt to the item is physically received in the depot. यह किसी वस्तु की आवश्यकता महसूस होने से लेकर डिपो में भौतिक रूप से उस वस्तु के प्राप्त होने तक का समय है।

Need For Keeping Inventory :

- It is told that lesser the inventory the better but it is required to be kept: ऐसा कहा जाता है कि इन्वेंटरी जितनी कम हो उतना अच्छा है लेकिन इसे रखना आवश्यक है क्योंकि:
- Due to lead time involved and also to reduce the possibility of stock outs as stock out costs can be enormous. इसमें मर्दों की प्रप्ति में लगने वाले समय के कारण और स्टॉक खत्म होने की संभावना भी कम हो जाती है क्योंकि स्टॉक खत्म होने की लागत बहुत अधिक हो सकती है।
- To maintain stock to meet customers demands. ग्राहकों की माँगों को पूरा करने के लिए स्टॉक बनाए रखना।
- To ensure continuity of production and distribution. उत्पादन एवं वितरण की निरंतरता सुनिश्चित करना।
- To maintain the targeted Service levels. लक्षित सेवा स्तरों को बनाए रखना।

Graph between Inventory Cost and Service level

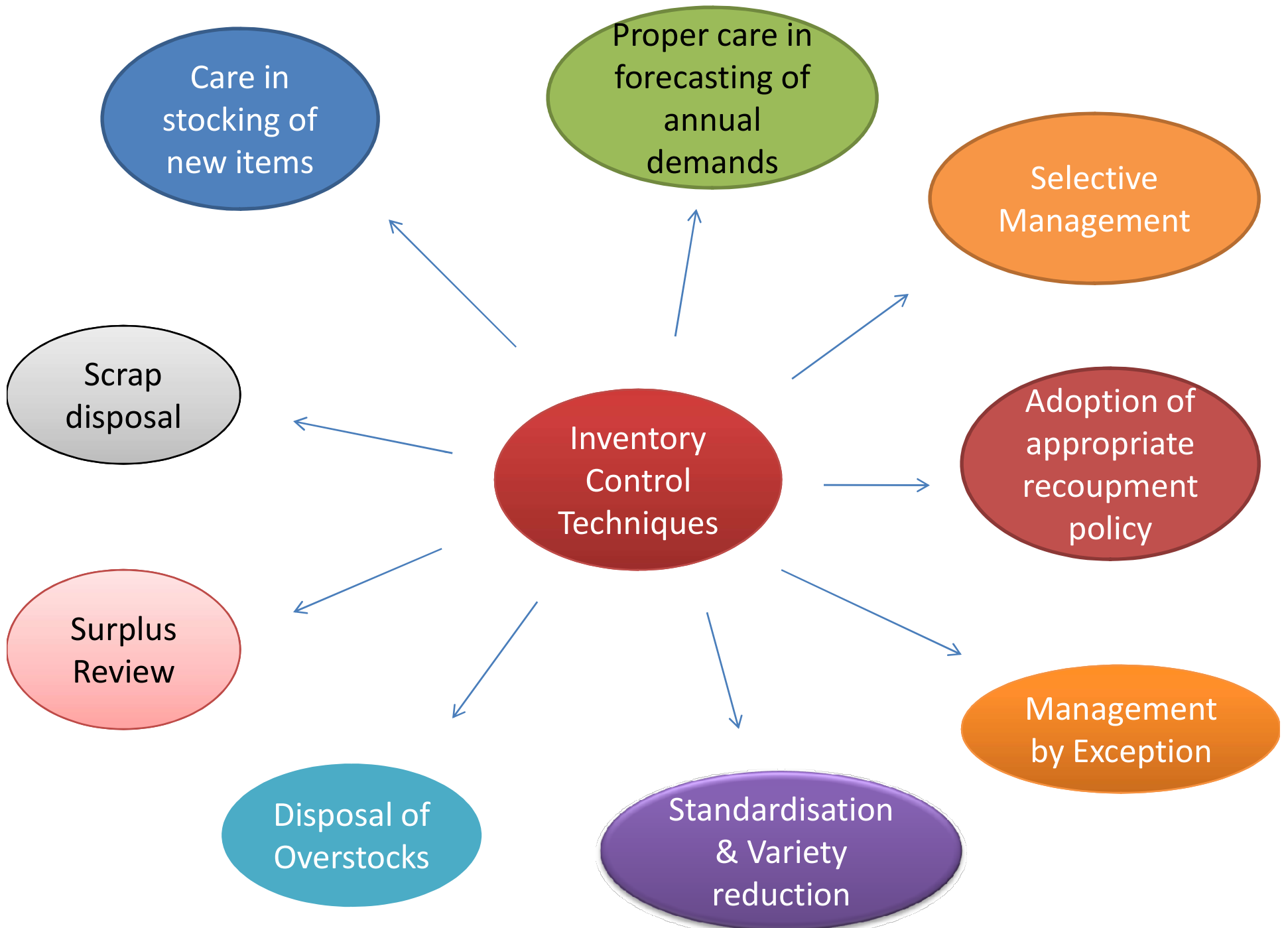


Disadvantage of keeping large Inventory:

- Followings are the cost of keeping large Inventories:
 - Blockage of capital. पूंजी में रुकावट ।
 - Interest on the money locked up. बंद धन पर ब्याज ।
 - Opportunity cost, which is very high. अवसर लागत, जो बहुत अधिक है ।
 - Supervision cost. पर्यवेक्षण लागत ।
 - Obsolescence and deterioration cost. अप्रचलन और गिरावट की लागत ।
 - Pilferage and other losses. चोरी और अन्य हानियाँ ।

Types Of Inventories :

- Inventory can be classified according to its usage and its point of entry into operations इन्वेंटरी को उसके उपयोग और उसके संचालन में प्रवेश के बिंदु के अनुसार वर्गीकृत किया जा सकता है
 - Raw materials,
 - Work in progress,
 - Finished Goods,
 - Tools,
 - Consumable items,
 - Spares.



Care in Stocking of new items:

- Due to heavy administrative cost such as ordering cost and inventory carrying costs, decision for stocking new items should be taken only when the materials will have regular demand or is required to be stocked as emergency stores. ऑर्डर लागत और इन्वेंट्री ले जाने की लागत जैसी भारी प्रशासनिक लागत के कारण, नई वस्तुओं को स्टॉक करने का निर्णय केवल तभी लिया जाना चाहिए जब सामग्री की नियमित मांग होगी या आपातकालीन स्टोर के रूप में स्टॉक करने की आवश्यकता होगी।

Proper care in forecasting of annual demands:

- In the recoupment, it was seen that the net quantity for procurement is calculated based on anticipated annual consumption. The net quantity to be procured is very much depend on the consumption forecast for the relevant period. खरीद में, यह देखा गया कि खरीद के लिए शुद्ध मात्रा की गणना अनुमानित वार्षिक खपत के आधार पर की जाती है। खरीदी जाने वाली शुद्ध मात्रा काफी हद तक संबंधित अवधि के लिए उपभोग पूर्वानुमान पर निर्भर करती है।
- Though it is difficult to predict the future consumption accurately, statistical techniques are available for forecasting with a fair level of accuracy. हालांकि भविष्य की खपत का सटीक अनुमान लगाना मुश्किल है, लेकिन उचित स्तर की सटीकता के साथ पूर्वानुमान लगाने के लिए सांख्यिकीय तकनीकें उपलब्ध हैं।
- In Indian Railways we use the last three year average consumption for this method. भारतीय रेलवे में हम इस पद्धति के लिए पिछले तीन साल की औसत खपत का उपयोग करते हैं।

Adoption of appropriate recoupment policies:

- The different recoupment policies is issued time to time by Railway Board to ensure availability of materials in accordance with the demand pattern confirming to the desired service level fixed for the specific item. विशिष्ट वस्तु के लिए निर्धारित वांछित सेवा स्तर की पुष्टि करने वाले मांग पैटर्न के अनुसार सामग्रियों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए रेलवे बोर्ड द्वारा समय-समय पर विभिन्न खरीद नीतियां जारी की जाती हैं।

Selective Management:

- According to the principal of management of “italian economist and sociologist Vilfredo Federico Pareto of 80:20 rule” in a group of items only a few are significant. So we are take more care on these few items. "इतालवी अर्थशास्त्री और समाजशास्त्री विल्फेरेडो फेडेरिको पेरेटो के 80:20 नियम के प्रबंधन सिद्धांत" के अनुसार वस्तुओं के समूह में केवल कुछ ही महत्वपूर्ण हैं। इसलिए हम इन कुछ चीजों पर ज्यादा ध्यान रखते हैं।
- Following are the important selective techniques to control the Inventory: इन्वेंटरी को नियंत्रित करने के लिए महत्वपूर्ण चयनात्मक तकनीकें निम्नलिखित हैं:
 - ABC Analysis,
 - VED Analysis,
 - FSN Analysis.

ABC Analysis:

- In this techniques all stock items are classified into three categories in the order of their annual consumption values. इस तकनीक में सभी स्टॉक वस्तुओं को उनके वार्षिक उपभोग मूल्यों के क्रम में तीन श्रेणियों में वर्गीकृत किया गया है
- 'A' Category: Items which added together form 70% of the annual consumption value of all stock items put together, but in terms of numbers may form only 10% or less of the total number of stock items.
वस्तुएँ के वार्षिक खपत मूल्य को एक साथ जोड़ने के उपरांत वे सभी स्टॉक वस्तुओं के वार्षिक उपभोग मूल्य का 70% बनती हैं, लेकिन संख्या के संदर्भ में स्टॉक वस्तुओं की कुल संख्या का केवल 10% या उससे कम हो सकती हैं।

ABC Analysis:

- 'B' Category: Items whose annual consumption value forms 20% of all stock items, but in terms of numbers may form only 20% of the total number of stock items.
वे वस्तुएँ जिनका वार्षिक उपभोग मूल्य सभी स्टॉक वस्तुओं का 20% है, लेकिन संख्या के संदर्भ में स्टॉक वस्तुओं की कुल संख्या का केवल 20% हो सकता है।
- 'C' Category: All balance stock items being in large number about 70% will form only 10% of total value.
सभी शेष स्टॉक आइटम बड़ी संख्या में लगभग 70% होने के कारण कुल मूल्य का केवल 10% बनेंगे।

'A' category items:

- Small in numbers, but consumes large amounts of resources.

Must have

- Rigid control.
- Rigid estimate of requirement.
- Strict and closer watch.
- Managed by top management.

'B' category items:

Must have

- Moderate control.
- Purchase based on rigid requirement.
- Reasonably strict watch & control.
- Manage by middle level management.

'C' category items:

- Large in numbers but consumes lesser amount of resources.

Must have

- Ordinary control
- Purchase based on usage estimate
- High safety stock
- Manage by lower level management.

From the above, for achieving better result in inventory control, the management can take lot of efforts by tightly controlling only 'A&B' category items in the matters of forecasting, procurements, stocking and issuing, leaving the 'C' category items to operating level.

ABC

A
N
A
L
Y
S
I
S

WORK
SHEET

ITEM %

A

10 %

B

20 %

C

70 %

ITEM	ANNUAL COST [Rs.]	CUMMULATIVE COST [Rs.]
1	90000	90000
2	50000	140000
3	20000	160000
4	7500	167500
5	7500	175000
6	5000	180000
7	4500	184500
8	4000	188500
9	2750	191250
10	1750	193000
11	1500	194500
12	1500	196000
13	500	196500
14	500	197000
15	500	197500
16	500	198000
17	500	198500
18	500	199000
19	500	199500
20	500	200000

COST %

70 %

20 %

10 %

VED Analysis:

- In this techniques all stock items are classified as V-Vital, E-Essential, and D-desirable on the basis of service level.
- Vital: Those items which will stop the operation if not available. वे वस्तुएँ जिनके उपलब्ध नहीं होने पर परिचालन बंद हो जाएगा।
- Essential: Those items which have a potential to stop operation in the near future. वे वस्तुएं जिनके उपलब्ध नहीं होने पर निकट भविष्य में संचालन बंद होने की संभावना है।
- Desirable: Rest items are classified as desirable.

This classification enable management to attention on just a few items where the maintenance of high service level would be necessary.

FSN Analysis:

- In this techniques all stock items are classified as **F-Fast moving items**, **S-Slow moving items** and **N-Non moving items**.
- While making recoupment, the nature of item is kept in view so that unnecessary money is not blocked in slow and non-moving items.
खरीद करते समय वस्तु की प्रकृति को ध्यान में रखा जाता है ताकि धीमी एवं गतिहीन वस्तुओं में अनावश्यक धन अवरुद्ध न हो।

Management by exception:

- This is an important technique made easy by computerisation.
- In this method the management tries to review only those items which display certain properties at a particular point of time such as items having less than three months stocks, items of nil stocks, items below dangerous level, safety items below 03 months stocks, items having more than 12 months stocks etc.
- If management satisfy with the condition of exception chosen, would get reflected in the statement, thereby restricting the need and efforts to take corrective action only where due.

Management by exception:

- यह कम्प्यूटरीकरण द्वारा आसान बनाई गई एक महत्वपूर्ण तकनीक है।
- इस पद्धति में प्रबंधन केवल उन वस्तुओं की समीक्षा करने का प्रयास करता है जो किसी विशेष समय पर कुछ गुण प्रदर्शित करते हैं जैसे कि तीन महीने से कम स्टॉक वाली वस्तुएं, शून्य स्टॉक वाली वस्तुएं, खतरनाक स्तर से नीचे वाली वस्तुएं, 0.3 महीने के स्टॉक से नीचे की सुरक्षा वस्तुएं, ऐसी वस्तुएं जिनमें स्टॉक होता है। 12 महीने से अधिक का स्टॉक आदि।
- यदि प्रबंधन चुनी गई अपवाद की शर्त से संतुष्ट है, तो यह कथन में प्रतिबिंबित होगा, जिससे केवल जहां आवश्यक हो वहां सुधारात्मक कार्रवाई करने की आवश्यकता और प्रयास सीमित हो जाएंगे।

Standardisation & Variety reduction:

- The process of adopting uniform and widely used Indian/International specification for stock items is termed as Standardisation.
- Procurement of items of standard specification is therefore expected to result in lower prices, causing corresponding reduction on the inventory carrying cost which is dependent on the price of items.
- The materials covered under Indian/International standard are easily available in the market, at prices much cheaper than the one tailor-made to a customer's specification/drawing.
- स्टॉक वस्तुओं के लिए एक समान और व्यापक रूप से उपयोग किए जाने वाले भारतीय/अंत
- इसलिए मानक विशिष्टताओं की वस्तुओं की खरीद से कीमतें कम होने की उम्मीद है, जिससे इन्वेंटी ले जाने की लागत में कमी आएगी जो वस्तुओं की कीमत पर निर्भर है। राष्ट्रीय विनिर्देश को अपनाने की प्रक्रिया को मानकीकरण कहा जाता है।
- भारतीय/अंतर्राष्ट्रीय मानक के अंतर्गत आने वाली सामग्रियां ग्राहक की विशिष्टताओं/ड्राइंग के अनुसार तैयार की गई सामग्रियों की तुलना में बहुत सस्ती कीमतों पर बाजार में आसानी से उपलब्ध हैं।

Standardisation & Variety reduction:

- Lesser number of inventory items are to better planning and more accurate forecasting. The result in better inventory control and a better inventory turnover ratio.
- Reduction in number of items result in less inventory holding and therefore less inventory carrying cost.
- Due to merging of items, quantities are procured in bulk, deliveries are quicker and lead time to lowered, inventory holding can be further reduced.
- इन्वेंट्री आइटम की कम संख्या बेहतर योजना और अधिक सटीक पूर्वानुमान के लिए है। परिणामस्वरूप बेहतर इन्वेंट्री नियंत्रण और बेहतर इन्वेंट्री टर्नओवर अनुपात प्राप्त होता है।
- वस्तुओं की संख्या में कमी के परिणामस्वरूप इन्वेंट्री कम होती है और इसलिए इन्वेंट्री ले जाने की लागत कम होती है।
- वस्तुओं के विलय के कारण, मात्राएँ थोक में खरीदी जाती हैं, डिलीवरी जल्दी होती है और लीड समय कम हो जाता है, इन्वेंट्री होल्डिंग को और कम किया जा सकता है।

Disposal of Over stocks:

- Items having more than 06 months stocks for “A” category item, more than 12 months stocks for “B” category items and more than 24 months for “C” category items is considered as overstocks.
- As there is a cost associated with possession of materials known as inventory carrying cost, it becomes necessary to dispose the over stock items. It is necessary to control the stock levels as per requirements.
- Care should be also taken in stocking of shelf life items, the stock should not be more than the life limit.
- Overstocks generally a result due to fall in consumption of materials procured based on inflated demands.
- This leads to the importance of making as accurate as possible the estimate or forecast of the material requirements.

Disposal of Over stocks:

- "ए" श्रेणी की वस्तुओं के लिए 06 महीने से अधिक का स्टॉक, "बी" श्रेणी की वस्तुओं के लिए 12 महीने से अधिक का स्टॉक और "सी" श्रेणी की वस्तुओं के लिए 24 महीने से अधिक का स्टॉक ओवरस्टॉक माना जाता है।
- चूँकि सामग्रियों के कब्जे से जुड़ी एक लागत होती है जिसे इन्वेंट्री ले जाने की लागत के रूप में जाना जाता है, इसलिए स्टॉक से अधिक वस्तुओं का निपटान करना आवश्यक हो जाता है। आवश्यकतानुसार स्टॉक स्तर को नियंत्रित करना आवश्यक है।
- शेल्फ लाइफ वाली वस्तुओं के भंडारण में भी सावधानी बरतनी चाहिए, स्टॉक जीवन सीमा से अधिक नहीं होना चाहिए।
- आम तौर पर बढ़ी हुई मांग के आधार पर खरीदी गई सामग्रियों की खपत में गिरावट के कारण ओवरस्टॉक होता है।
- इससे सामग्री आवश्यकताओं का अनुमान या पूर्वानुमान यथासंभव सटीक बनाने का महत्व बढ़ जाता है।

Surplus Review:

- In Railway an item not demanded by the consumers for a period of 24 months or more at a time is categorised as Surplus Stores.
- It is divided in two sub-categories:
- Movable Surplus: Items not demanded for 24 months, and likely to be used in the next 24 months.
- Dead Surplus: Items not demanded for 24 months and not expected to be used in next 24 months. These are ultimately categorised as Scrap.

it is not wise to keep the surplus stores in stock for a long time. Surplus stores are constantly monitored to see whether such materials can be put of alternate use or not. If not they are scrapped and thereafter disposed.

Surplus Review:

- रेलवे में एक समय में 24 महीने या उससे अधिक की अवधि के लिए उपभोक्ताओं द्वारा मांग नहीं की गई वस्तु को सरप्लस स्टोर के रूप में वर्गीकृत किया गया है। इसे दो उप-श्रेणियों में विभाजित किया गया है:
- चल अधिशेष: 24 महीनों तक मांग नहीं की गई वस्तुएं, और अगले 24 महीनों में उपयोग किए जाने की संभावना है।
- डेड सरप्लस: ऐसी वस्तुएं जिनकी 24 महीनों तक मांग नहीं की गई और अगले 24 महीनों में उपयोग किए जाने की उम्मीद नहीं है। इन्हें अंततः स्क्रेप के रूप में वर्गीकृत किया गया है।

अतिरिक्त भंडार को लंबे समय तक स्टॉक में रखना बुद्धिमानी नहीं है। यह देखने के लिए कि क्या ऐसी सामग्रियों की वैकल्पिक उपयोग में लाया जा सकता है या नहीं, अधिशेष भंडारों की लगातार निगरानी की जाती है। यदि नहीं, तो उन्हें हटा दिया जाता है और उसके बाद उनका निपटान कर दिया जाता है।

Scrap Disposal:

- On the Railway, materials which are no longer required for the purpose for which they are procured are termed as 'Scrap'.
- This will include all obsolete materials and all types of waste generated during the course of production, operation and maintenance of the Railway assets. It also include unwanted packing materials.
- Examples of Scrap are the turning and borings generated in workshops, condemned rails, rusty, worn-out and damaged components released from carriage & wagons workshops, condemned machinery and plant and rolling stocks.
- Unsold scrap is a source of unnecessary liability of inventory carrying cost and therefore Railways have taken up disposal of scrap as a major activity over the last 20 to 25 years.
- Total value of scrap sold every year is now more than 4000 Crore.
- In 2021-22 total scrap sold is approx Rs. 5316 Crore (SECR 266 crore). In 2022-23 Rs.5757 crore (SECR 304 Crore), In 2023-24 Rs. 5773 Crore (SECR 254 Crore).

Scrap Disposal:

- रेलवे में, जिन सामग्रियों को अब उस उद्देश्य के लिए आवश्यक नहीं है जिसके लिए उन्हें खरीदा जाता है उन्हें 'स्कैप' कहा जाता है।
- इसमें रेलवे परिसंपत्तियों के उत्पादन, संचालन और रखरखाव के दौरान उत्पन्न सभी अप्रचलित सामग्री और सभी प्रकार के अपशिष्ट शामिल होंगे। इसमें अवांछित पैकिंग सामग्री भी शामिल है।
- स्कैप के उदाहरण कार्यशालाओं में उत्पन्न होने वाली टर्निंग और बोरिंग, खराब रेल, कैरिज और वैगन कार्यशालाओं से निकले जंग लगे, घिसे-पिटे और क्षतिग्रस्त घटक, खराब हो चुकी मशीनरी और प्लांट और रोलिंग स्टॉक हैं।
- बिना बिके स्कैप इन्वेंटरी ले जाने की लागत की अनुवश्यक देनदारी का एक स्रोत है और इसलिए रेलवे ने पिछले 20 से 25 वर्षों में स्कैप के निपटान को एक प्रमुख गतिविधि के रूप में लिया है।
- हर साल बेचे जाने वाले स्कैप का कुल मूल्य अब 4000 करोड़ से अधिक है।
- 2021-22 में कुल स्कैप लगभग रु. 4200 करोड़ (एसईसीआर 210 करोड़ के लक्ष्य के मुकाबले 266 करोड़)। 2022-23 के लिए लक्ष्य 4400 करोड़ रुपये (एसईसीआर 265 करोड़) है।

Importance of Inventory control:

- It helps to achieve customer satisfaction.
- It ensure cash flow.
- It ensure better warehouse space utilization
- It helps better human resources utilization.
- It helps to segregate best importance/ running/ useful items and poor importance/ running/ useful items. Increase stock level of best importance items and decrease poor importance items.
- यह ग्राहकों की संतुष्टि प्राप्त करने में मदद करता है।
- यह नकदी प्रवाह सुनिश्चित करता है।
- यह बेहतर गोदाम स्थान उपयोग सुनिश्चित करता है ।
- यह मानव संसाधन के बेहतर उपयोग में मदद करता है।
- यह सर्वोत्तम महत्व/चलने/उपयोगी वस्तुओं और खराब महत्व/चलने/उपयोगी वस्तुओं को अलग करने में मदद करता है। सर्वोत्तम महत्व वाली वस्तुओं का स्टॉक स्तर बढ़ाएँ और कम महत्व वाली वस्तुओं का स्टॉक स्तर घटाएँ।

Conclusion :

- By better inventory control, we can minimise the blockage of financial resources in procurement and warehousing of the materials. We can achieve the main objective of inventory control at minimum cost.
- बेहतर इन्वेन्टी नियंत्रण द्वारा, हम सामग्रियों की खरीद और भंडारण में वित्तीय संसाधनों की रुकावट को कम कर सकते हैं। हम न्यूनतम लागत पर इन्वेन्टी नियंत्रण का मुख्य उद्देश्य प्राप्त कर सकते हैं।

Question

Q1. Which is not related to Inventory control:

- A. ABC
- B. VED
- C. FSN
- D. EAR

Question

Q1. Which is not related to Inventory control:

- A. ABC
- B. VED
- C. FSN
- D. EAR

Question

Q2. To fix the optimum service level, which analysis is useful:

- A. FSN analysis
- B. ABC analysis
- C. XYZ analysis
- D. VED analysis

Question

Q2. To fix the optimum service level, which analysis is useful:

- A. FSN analysis
- B. ABC analysis
- C. XYZ analysis
- D. VED analysis

Question

Q3. Efficiency of inventory management system is generally measured by:

- A. Service level
- B. Inventory turn over ratio
- C. 1&2
- D. None of above

Question

Q3. Efficiency of inventory management system is generally measured by:

- A. Service level
- B. Inventory turn over ratio
- C. 1&2
- D. None of above

Question

Q4. The formula for T.O.R. is:

- A. $\text{TOR} = \text{Balance (Closing)} / \text{Issue} * 100$
- B. $\text{TOR} = \text{Receipt (Total)} / \text{Issue} * 100$
- C. $\text{TOR} = \text{Issue (Total)} / \text{Balance} * 100$
- D. $\text{TOR} = \text{Issue (Total)} / \text{Balance} * 100$

Question

Q4. The formula for T.O.R. is:

- A. $\text{TOR} = \text{Balance (Closing)} / \text{Issue} * 100$
- B. $\text{TOR} = \text{Receipt (Total)} / \text{Issue} * 100$
- C. $\text{TOR} = \text{Issue (Total)} / \text{Balance} * 100$
- D. $\text{TOR} = \text{Issue (Total)} / \text{Balance} * 100$

Question

Q5. Extra inventory kept on hand to cater for default by the suppliers and also to take care of fluctuations in demand is known as:

- A. Emergency stock
- B. Buffer stock
- C. Ordinary store
- D. Custody stock

Question

Q5. Extra inventory kept on hand to cater for default by the suppliers and also to take care of fluctuations in demand is known as:

- A. Emergency stock
- B. Buffer stock
- C. Ordinary store
- D. Custody stock

Question

Q6. Opening balance of stock in a stores depot on 1st April 2023 was Rs 30 crores. During the year 2023-2024, material worth Rs. 90 crores was received and total value of issues during the year was 100 crores. Calculate TOR during the financial year 2023-2024.

- A. 20%
- B. 30%
- C. 33%
- D. 90%

Question

Q6. Opening balance of stock in a stores depot on 1st April 2023 was Rs 30 crores. During the year 2023-2024, material worth Rs. 90 crores was received and total value of issues during the year was 100 crores. Calculate TOR during the financial year 2023-2024.

A. 20%

B. 30%

C. 33%

D. 90%

Question

Q7. Items of stores which have not been issued for a period of 24 months, but which, it is anticipated, will be used in the near future are called.

- A. Moveable surplus
- B. Dead surplus
- C. Overstock
- D. Inactive

Question

Q7. Items of stores which have not been issued for a period of 24 months, but which, it is anticipated, will be used in the near future are called.

A. Moveable surplus

B. Dead surplus

C. Overstock

D. Inactive

THANKS